शैक्षणिक वर्ष 2021-22
पाठ्यक्रम विवरण : जनवरी से अप्रैल 2022

पाठ्यक्रम : बी ए हिंदी विशेष
सत्र : प्रथम
पेपर : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)
शिक्षक : डॉ प्रेम कुमारी सिंह

पाठ्यक्रम

इकाई **1:** हिंदी साहित्य : इतिहास लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास -लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई **2:** आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

इकाई 3: भक्ति काल(पूर्व मध्यकाल)

- भक्ति- आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्ति काल की धाराएं :
    - निर्गुण काव्यधारा(ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेम मार्गी सूफी शाखा)
    - सगुण काव्य धारा(राम भक्ति शाखा, कृष्ण भक्ति शाखा)
    - अन्य काव्य

इकाई **4 :** रीतिकाल**(** उत्तर मध्यकाल**)**

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य प्रवृत्तियां

1 . रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
2 . रीतिमुक्त काव्य
3 . वीर काव्य, भक्ति काव्य, नीति काव्य

पाठ्यक्रम विवरण

पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को हिंदी साहित्य के इतिहास एवं उसके प्रमुख इतिहास ग्रंथों की जानकारी दी जाती है । विशेष रूप से आदिकालीन एवं मध्यकालीन इतिहास से अवगत कराया जाता है । इसके अतिरिक्त इतिहास ग्रंथों का विश्लेषण और इतिहास निर्माण की पद्धति को स्पष्ट किया जाता है ।

शिक्षण समय : 15 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की जाती है।विद्यार्थियों को विशेष से संबंधित पुस्तकों की जानकारी तथा साथ ही विषय से संबंधित

विद्वानों द्वारा लिखित सामग्री दी जाती है। ट्यूटोरियल कक्षाएं नियम अनुसार 8 विद्यार्थी प्रति ग्रुप के हिसाब से प्रत्येक सप्ताह तथा हल प्रश्न पत्र में होती है। असाइनमेंट, टेस्ट और प्रस्तुतीकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन किया जाता है।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का परिचय
सप्ताह 2	हिंदी साहित्य : काल विभाजन एवं नामकरण
सप्ताह 3	असाइनमेंट
सप्ताह 4	आदिकाल की राजनीतिक सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठ- भूमि
सप्ताह 5	सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य और जैन साहित्य
सप्ताह 6	रासो काव्य, लौकिक साहित्य
सप्ताह 7	टेस्ट और प्रस्तुतीकरण
सप्ताह 8	भक्ति आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
सप्ताह 9	भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
सप्ताह 10	भक्ति काल की धाराएं : निर्गुण धारा(ज्ञानाश्रयी एवं प्रेम मार्गी शाखा)
सप्ताह 11	सगुण धारा (राम भक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा), अन्य काव्य
सप्ताह 12	टेस्ट , सामूहिक चर्चा
सप्ताह 13	रीतिकाल की पृष्ठभूमि(राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,आर्थिक परिवेश और साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
सप्ताह 14	काव्य प्रवृतियां : रीतिबद्ध और रिद्धि सिद्धि
सप्ताह 15	रीतिमुक्त काव्य, वीर काव्य, भक्ति काव्य , नीति काव्य अंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां।

संबंधित पुस्तकें **:**

- हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएं - संपा. अनिल रॉय
- साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय
- हिंदी साहित्य का इतिहास - संपा. डॉ. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा

- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार -   संपा. गोपेश्वर सिंह

वर्ष : 2021-2022
पाठ्यक्रम विवरण : (जनवरी-अप्रैल 2022)

पाठ्यक्रम : बी. ए हिंदी विशेष
सत्र : 4
पेपर : हिंदी उपन्यास
शिक्षक : डॉ. प्रेम कुमारी सिंह

पाठ्यक्रम
इकाई 1 : प्रेमचंद : कर्मभूमि
इकाई 2: जैनेन्द्र : सुनीता
इकाई 3 : यशपाल : दिव्या
इकाई 4: मन्नू भंडारी : आपका बंटी

पाठ्यक्रम विवरण
- हिंदी में उपन्यास के उद्भव और विकास के क्रम को जान सकेंगे
- प्रमुख साहित्यकारों और उनके उपन्यासों की पद्धति तथा शैली जान सकेंगे
- समाज और उसके स्वरुप को उपन्यास के माध्यम से जान सकेंगे

शिक्षण समय : **16** सप्ताह (लगभग)
कक्षाएं :
समय सारणी के आधार पर इस विषय की कक्षाएं सप्ताह के पाँचों दिन नियत की गयी | कक्षा में विषय से समबन्धित सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई |विषय उपयोगी पुस्तकों के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान दिया
इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	उपन्यास अर्थ और विस्तार उपन्यास का उदय एवं विकास यात्रा
सप्ताह 2	प्रेमचंद की रचना कला
सप्ताह 3	कर्मभूमि अध्ययन के मुख्य बिंदु
सप्ताह 4	आलोचनात्मक प्रश्न
सप्ताह 5	जैनेन्द्र की रचना कला
सप्ताह 6	सुनीता अध्ययन के मुख्य बिंदु
सप्ताह 7	आलोचनात्मक प्रश्न
सप्ताह 8	पुनरावृति एवं **assigment**
सप्ताह 9	यशपाल की रचना कला

सप्ताह 10	दिव्या अध्ययन के मुख्य बिंदु
सप्ताह 11	आलोचनात्मक प्रश्न
सप्ताह 12	पुनरावृति एवं **assigment**
सप्ताह 13	मन्नू भंडारी की रचना कला
सप्ताह 14	आपका बंटी अध्ययन के मुख्य बिंदु
सप्ताह 15	आलोचनात्मक प्रश्न
सप्ताह 16	पुनरावृति एवं **assigment**

सम्बंधित पुस्तकें :

- प्रेमचन्द : उपन्यास सम्बन्धी निबंध
- प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
- हिंदी उपन्यास : नामवर सिंह (संपा.)
- आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
- कथा विवेचना और गद्य शिल्प : रामविलास शर्मा

वर्ष : **2021-22**
पाठ्यक्रम विवरण **: (**जनवरी **–** अप्रैल 2022**)**

पाठ्यक्रम : बी.ए. हिंदी (ऑनर्स)
सत्र : द्वितीय
पेपर : हिंदी भाषा और संप्रेषण AECC
शिक्षक : डॉ.प्रेम कुमारी सिंह, डॉ.अंशु यादव

पाठ्यक्रम

इकाई **1 :** भाषिक संप्रेषण**:** स्वरूप और सिद्धांत

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
- संप्रेषण की प्रक्रिया
- संप्रेषण के विभिन्न मॉडल
- अभाषिक संप्रेषण

इकाई **2:** संप्रेषण के प्रकार

- मौखिक और लिखित संप्रेषण
- वैयक्तिक, सामाजिक संप्रेषण और
- व्यावसायिक
- भ्रामक संप्रेषण और प्रभावी सम्प्रेषण में अंतर
- संप्रेषण में चुनौतियां एवं संभावनाएं

इकाई **3 :** संप्रेषण के माध्यम

- एकालाप और संलाप
- संवाद
- सामूहिक चर्चा
- मशीनी माध्यम: ई-मेल, सोशल मीडिया,एस.एम.एस, इंटरनेट, फीडबैक

इकाई **4:** मौखिक और लिखित संप्रेषण

- बोलना: भाषण,वॉयस ओवर, वाद-विवाद
- लिखना : पत्र लेखन, अनुच्छेद लेखन,पल्लवन,संक्षेपण
- पढ़ना : कविता पठन,नाट्यांश पठन, समाचार वाचन
- समझना: विवरण, वर्णन, विश्लेषण, व्याख्या
    - (क) गहन अध्ययन
    - (ख) अध्याहार
    - (ग) सार लेखन
    - (घ) अन्वय
    - (ड) विश्लेषण और व्याख्या
    - (च) अनुवाद

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों का परिचय भाषिक संप्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से होगा। विद्यार्थियों को संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी होगी। प्रभावी संप्रेषण का महत्व जानने के साथ-साथ रोजगार संबंधी क्षेत्रों के विषय में भी उनकी जानकारी बढ़ेगी रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों हेतु लेखन वाचन पाठ पठन में भी विद्यार्थी सक्षम हो सकेंगे।

शिक्षण समय **: 16** सप्ताह **(**लगभग **)**

कक्षाएं **:AECC** पेपर के पाठ्यक्रम अनुसार सप्ताह के **4** दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की जाएंगी। असाइनमेंट टेस्ट और प्रस्तुतीकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन होगा।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण **:**

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
सप्ताह 2	संप्रेषण की प्रक्रिया और संप्रेषण के विविध मॉडल
सप्ताह 3	संप्रेषण के विविध मॉडल संप्रेषण की चुनौतियां
सप्ताह 4	मौखिक और लिखित संप्रेषण वैयक्तिक और सामाजिक संप्रेषण
सप्ताह 5	व्यवसायिक संप्रेषण
सप्ताह 6	भ्रामक संप्रेषण संप्रेषण बाधाएं एवं रणनीति
सप्ताह 7	पुनरावृति एवं सामूहिक चर्चा
सप्ताह 8	संप्रेषण के माध्यम एकालाप , संवाद एवं सामूहिक चर्चा
सप्ताह 9	प्रभावी संप्रेषण गहन अध्ययन
सप्ताह 10	अध्याहार
सप्ताह 11	सार लेखन और उसका अभ्यास
सप्ताह 12	अन्वय और उसका अभ्यास
सप्ताह 13	विश्लेषण और व्याख्या और उसका अभ्यास
सप्ताह 14	अनुवाद और उसका अभ्यास
सप्ताह 15	विशेष व्याख्यान एवं विद्यार्थियों की समस्याओं का निपटारा
सप्ताह 16	आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां टेस्ट एवं असाइनमेंट आदि

सम्बंधित पुस्तकें :

- हिंदी का सामाजिक संदर्भ -रविंद्र नाथ श्रीवास्तव
- संप्रेषण- परक व्याकरण :सिद्धांत और स्वरूप -सुरेश कुमार
- प्रयोग और प्रयोग- वीआर जगन्नाथ

- भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका -विद्यानिवास मिश्र
- संप्रेषण :चिंतन और दक्षता- डॉ मंजू मुकुल